गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक
# गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 8 अंक : 2 पृष्ठ संख्या : 14 माह – 15 दिसम्बर 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

## स्वर्ण भद्र आदि मुनि चार, पावागिरि शिखर मंझार | चेलना नदी तीर के पास, मुक्ति गये वंदों नित तास ||

पावागिरिजी यह क्षेत्र है जहाँ पर सैकड़ों वर्ष पूर्व देवपत खेवपत दो भाईयों द्वारा सात भौवरों का निर्माण कराया था जिसमें प्राचीन प्रतिमा सम्वत् 211–1266 व 1345 की 6 मूर्तियां विराजमान हैं । श्याम वर्ण देशी पाषाण की सौन्दर्य मनोहारी मूलनायक भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान व भगवान 1008 श्री आदिनाथ की प्रतिमा विराजमान है जिनके दर्शन मात्र करने से सभी प्रकार की मनोकामनायें पूर्ण हो जाती है । क्षेत्र के प्रचार मंत्री विनोद बैरागी ने बताया मुनि श्री 108 सुधा सागरजी महाराज के आशीर्वाद से प्रत्येक माह की पंद्रह तारीख को ''पारस दरबार'' का आयोजन किया जाता है जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष के अनेक जैन बंधु यहां आकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करते है तथा दुखों से मुक्ति पाकर सम्यक मार्ग पर चलते हैं । पावागिरि सिद्ध क्षेत्र के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन 'पुरावाले' ने कहा इस वर्ष परम पूज्य मुनिश्री 108 सुव्रत सागरजी महाराज के सानिध्य में वार्षिक मेला महोत्सव का आयोजन 16 से 18 नवम्बर तक बडी ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ । जिसमें प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा, पूजन, विधान किया गया। दोपहर जैन मंदिर प्रांगण में विशाल धर्म सभा का आयोजन मुनि श्री सुव्रत सागरजी महाराज के सानिध्य में किया गया । जिसमें मुनि श्री सुभद्र सागरजी महाराज एवं क्षुल्लिका माता सरलमतिजी विराजमान रहीं । श्री 1008 शांतिनाथ भगवान की विशाल शोभायात्रा निकाली गयी । जिसमें रथ में सवार श्रीजी आदिनाथ स्वामी को सौधर्म इंद्र लेकर चल रहे थे । 25 विमानों को भक्तगण जय जयकारों के नारों के साथ चल रहे थे । घोडे पर सवार बच्चे जियो और जीने दो का संदेश दे रहे थे । केशरिया रंग की साड़ी पहनकर महिलायें मंगलगान कर रही थीं । पावागिरी जैन मंदिर की परिक्रमा करती हुई विशाल शोभायात्रा जैन मंदिर चौबीसी प्रागंण पर धर्म सभा में परिवर्तित हुई । जहां धर्म सभा को संबोधित करते हुऐ मुनिश्री सुव्रत सागरजी ने कहा ''तेरा मंगल मेरा मंगल सबका मंगल होवें, सुखिया होवे सारी दुनिया कोई दुखी न होवे'' की कामना करते हुऐ कहा यदि आप सब एक रहोगे तो आगे बढ़ते रहोगे यदि अकेले रहोगे तो टूट जाओगे जैसे केला या अंगूर अपने गुच्छे से अलग हो जाता है उसको कोई नहीं पूछता । आज आप लोग इकट्ठे होकर रथ यात्रा में शामिल हुऐ बहुत अच्छा लगा, आपको मेरा बहुत–बहुत आशीर्वाद । पावागिरीजी सिद्धक्षेत्र के साथ अतिशय क्षेत्र भी है आज से करीब पचास वर्ष पूर्व रथोत्सव पंचकल्याणक में डाली टूट गयी थी फिर भी कुछ नही हुआ था और आज भी भगवान को पांडुक शिला से हटाया फिर भी कुछ नही हुआ मेरा यह तीसरा मेला है मैनें यहां पर बहुत अतिशय देखे हैं । इसलिए इसका नाम अतिशय सिद्धक्षेत्र पावागिरी होना चाहिए जिससे क्षेत्र का प्रभाव भी बढेगा ।

इस अवसर पर भौंयरेजी की नवीन वेदी का शिलान्यास किया गया । जिसमें कैलाशचन्द्र प्रदीप व प्रवीण कुमार जैन विश्व परिवार झाँसी ने मुख्य शिला, कोमलचन्द्र देवेन्द्रकुमार फणीश जामनेर ने आधार शिला एवं रवीन्द्र कुमार जैन टी.सी. झाँसी ने पंच परमेष्ठी शिला रखकर नवीन वेदी का शिलान्यास किया । आर्यिका रत्न 108 पूर्णमति माताजी की प्रेरणा से भौंयरेजी का जीर्णोद्धार नवनिर्माण विशाल रूप में भव्यता के साथ चल रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन में सुगमता होगी जिसमें श्रद्धालु पूर्ण मनोयोग से सहयोग प्रदान कर पुण्यार्जन कर रहे हैं । पावागिरीजी के भौंयरेजी का चमत्कार संपूर्ण भारत में प्रसिद्ध है । नवीन वेदी के निर्माण पश्चात श्रद्धालुओं को दर्शन में काफी सुविधा रहेगी एवं उसकी सुंदरता एवं आकर्षण अद्वितीय होगी । मेला में प्रतिवर्ष की भांति गोलालारीय दिगम्बर जैन न्यास एवं गोलालारीय दर्शन इन्दौर द्वारा जैन समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों के बायोडाटा संकलित किये गये व प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ''जैन तिथि दर्पण'' नि:शुल्क वितरित किये गये । जिसमें कोमलचन्द्र जैन, राजेन्द्र जैन 'बागो' एवं बाहुबली जैन का सहयोग रहा । मेला के समापन पर आगुंतक विद्वानों, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों, परम संरक्षक एवं मेला संरक्षक का क्षेत्र प्रबंध समिति ने स्वागत किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में पं. विनोदकुमार शास्त्री, पं. विजयकृष्ण शास्त्री, सुकमाल जैन बाबाजी, अभयकुमार, राजकुमार पवा, शिखरचन्द्र, प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा, सिंघई सुमत, आनंद जैन, राकेश मोदी, सुकमाल विरधा, अशोक कुमार, सौरभ जैन, रविकुमार, अखलेश जैन, संदीप पवा आदि का सहयोग रहा । संचालन क्षेत्र अध्यक्ष ज्ञानचन्द्र पुरा एवं आभार व्यक्त मंत्री जयकुमार ने व्यक्त किया ।

**प्रेषक – विनोद बैरागी बबीना, विशाल जैन पवा ।**

## इन्दौर में हथकरघा योजना का भव्य शुभारंभ

अनुपमा जैन, इन्दौर । हमारे धर्म में अहिंसक जीवन शैली की महत्ता है । भोजन, पानी, अन्य क्रिया कलाप करते समय हम हिंसा से बचने का प्रयास करते है, किंतु हमारे वस्त्र भी अशुद्ध हो सकते है, ऐसा विचार कभी मन में नही आया था । हां रेशम के वस्त्र अशुद्ध होते है और सभी जैन बंधु उनका त्याग करते है; किंतु सूती वस्त्र भी हिंसा से भरे है, उनकी चमक और कठोरता के लिए टेलो मटन का इस्तेमाल होता है जो कि जीव जंतुओं के वसा से प्राप्त होता है । यहां तक कि हमारे पानी छानने का छन्ना और श्रीजी के प्रछाल का छन्ना भी अशुद्ध है । यह जानकारी जैन समाज को हिलाने के लिए काफी थी । इसी समय हमारे आचार्य भगवन श्री विद्यासागरजी महाराज ने समस्त जैन समाज को प्रोत्साहित किया कि क्यों न हम अपने लिए अहिंसक वस्त्रों का निर्माण स्वयं करें । वैसे भी आचार्य गुरुवर हमारी प्राचीन गौरवमयी संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए कृत संकल्पित है । हमारा देश प्राचीन समय से ही स्वावलंबी रहा है। हमारी

शेष.... पेज नं. 2

गोलालारीय दर्शन समाज के 4200 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपना पोस्टल एड्रेस वाट्सएप्प या एसएमएस पर भेज सकते है।